अक्षय तृतीया पर आकाश में चंदा उड़ाकर की अमन-चैन व खुशहाली की कामना

- राव बीकाजी ने बीकानेर स्थापना दिवस के अवसर पर अपनी 22 गज की पगड़ी के साथ 7 फीट का चंदा बनाकर आकाश में उड़ाकर यह संदेश दिया कि बीकानेर की कीर्ति अनंत काल तक अक्षुण रहेगी
- विदेशों से आये हुए पर्यटकों ने बीकानेर स्थापना दिवस की बधाई दी

बीकानेर, (कासं)। जांगल प्रदेश चंदा महोत्सव समिति द्वारा बीकानेर के 538 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में जूनागढ़ परिसर में जय जंगलधर बादशाह और मां करणी एवं भगवान गढ़ गणेश के समक्ष उपस्थित होकर राज पंडित श्याम आचार्य, सिनी आचार्य, किशन आचार्य, पंडित गंगाधर व्यास ने चंदे का पूजन मंत्रोचार के साथ करवाया।

साथ ही लोकगीत 'आकाशों में उड़े म्हारौ चंदौ लक्ष्मीनाथ म्हारी सहाय करे, गवरा दादी पून दे टाबरियों रौ चंदो उड़े'.. बोलो रै छोरो आखातीज रौ तेल खिचड़ो खावै मघो मूधड़ौ। उसके बाद जूनागढ़ के ऐतिहासिक परिसर में चंदा उड़ाकर देश में अमन चैन, खुशहाली की कामना की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने बताया कि बीकानेर के राजा राव बीकाजी ने 537 वर्ष पूर्व बीकानेर की स्थापना की। उन्होंने मां करणी से आशीर्वाद लेकर बीकानेर नगर बसाया। बीकानेर नगर को बसाने से पहले चंदे को जहां-जहां उड़ाया और जहां-जहां चंदा गिरा वहां-वहां बीकानेर की सीमा (शफील) बनाई गई।

राजेश रंगा ने बताया कि राव बीकाजी सूर्यवंशी राठौड़ थे। 537 वर्ष पूर्व राव बीकाजी ने चंद्रनुमा गोल आकृति की पतंग जो कि बही के कागज से बनी होती है। उसके चारों ओर लाल और केसरिया रंग के कपड़े का उरेब लगाकर उसके ऊपर सरकंडे लगाकर सूर्य की किरणों जैसा गोल आकृति का चंदा प्रतीत होता है और बीकानेर की पगड़ी को पूछ बनाकर नमस्कार करते हुए बीकानेर की अमन चैन खुशहाली के लिए कामना करते हुए बीकानेर का वैभव सदियों-सदियों तक कायम रहे। इस अवसर पर जानकीनारायण श्रीमाली ने बताया कि सिंधु नदी के पश्चिम और यमुना नदी के पूर्व के विशाल क्षेत्र पर दिग्विजय प्राप्त कर बीकानेर राज्य की स्थापना की।

राव बीकाजी ने बीकानेर स्थापना दिवस के अवसर पर अपनी 22 गज की पगड़ी के साथ 7 फीट का चंदा बनाकर आकाश में उड़ाकर यह संदेश दिया कि बीकानेर की कीर्ति अनंत काल तक अक्षुण रहेगी। इस अवसर पर कृष्णचंद्र पुरोहित ने बताया कि राव बीकाजी अपने काल में चंदों के माध्यम से जनता तक संदेश पहुंचाते थे। उस समय जनता तक संदेश पहुंचाने का एक मात्र जरिया चंदा ही हुआ करता था। क्योंकि उस जमाने में आधुनिक संचार के साधन नहीं थे। चंदा एक घर से दूसरे घर उड़ाया जाता था। उस चंदे को कोई भी फाड़ता नहीं था। कोई चोरी नहीं करता था और जो भी इस तरह कि घटना घटित करता था तो उसे राजा द्वारा उसे दंडित किया जाता था और जुर्माने के रूप में एक रूपया लिया जाता था।

आज के युग में टीवी, मोबाइल सब कुछ है और सोशल मीडिया का जमाना है। लेकिन आज भी चंदा के माध्यम से संदेश पहुंचाने की परंपरा को जीवित रखे हुए है और जनता एवं प्रशासन तक विभिन्न समयानुकूल संदेश पहुंचाते है। जिसमें जल ही जीवन है पर्यावरण से संबंधित संदेश है पेड लगाओ, पशु पक्षियों को बचाने के लिए संदेश है। चाइनीज मांझे का बहिष्कार है और बाल विवाह अपराध है। अनेकों प्रकार की कला संस्कृति में बीकानेर की विभिन्न कला जैसे कि बीकानेर गोल्डन आर्ट, मीनिचर आर्ट, मथेरण आर्ट, मॉडर्न आर्ट आदि कलाओं के जरिए इस चंदा पर अपने भाव को अभिव्यक्त कर बीकानेर की समस्याओं को अभिव्यक्त करते हुए और जन-जन तक संदेश पहुंचाते है।

इस अवसर पर कनाड़ा, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम और स्पेन से आये हुए पर्यटकों ने बीकानेर स्थापना दिवस की बधाई देते हुए चंदा उड़ाया। मिस्टर डेजर्ट एवं रोबीले चंदा कार्यक्रम में शामिल हुए जो कि शाम्भा बीकानेरी, सत्यदेव किराडू (कबाड़ी काका) किशोर कल्ला, मोहित पुरोहित, आदित्य पुरोहित, मोहित जोशी, कंवरलाल चौहान, सोनू, पंडित गंगाधर व्यास, भगवान सुथार, कला विशेषज्ञ राकेश किराडू, आशीष रंगा, कार्तिक मोदी, सुभाष कच्छावा मौजूद थे।

रक्तदान कर परशुराम जयंती मनाई

श्रीगंगानगर, (कासं)। रक्तदान शिविर में युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और रक्तदान कर भगवान परशुराम के बलिदान और सेवा-भाव को अपने कर्म से सजीव किया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और रक्तदान कर भगवान परशुराम के बलिदान और सेवा-भाव को अपने कर्म से सजीव किया। श्रीगंगानगर जिले में ब्राह्मण सेवा समिति पदमपुर ने प्रस्तावित धर्मशाला परिसर में भगवान श्री परशुराम जयंती बड़े धूमधाम और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाई। कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा रहा, बल्कि सामाजिक योगदान और प्रतिभा-सम्मान के माध्यम से यह आयोजन प्रेरणा का स्रोत बन गया।

कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक विधि-विधान से हुए हवन और सभी के कल्याण के लिए सुंदरकांड पाठ से हुई। वातावरण में गूंजते संगीतमय भजन-कीर्तन ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। रक्तदान शिविर में युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया, जिसमें 50 से अधिक युवक-युवतियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर भगवान परशुराम के बलिदान और सेवा-भाव को अपने कर्म से सजीव किया।

नशे के विरूद्ध महिला रैली निकाली

बीकानेर, (कासं)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की बीकानेर शाखा की युवा परिवार सेवा समिति द्वारा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक प्रकल्पों में मंगलवार को महिला रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को महिलाओं ने युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के लिए की गई। नशीली दवाओं का दुरूपयोग व्यक्ति, परिवार और समाज को बड़े पैमाने पर प्रभावित करता है। व्यक्तिगत स्तर पर यह व्यक्ति को शारीरिक बीमारी, मानसिक बीमारी और यहां तक की मौत की जकड़ में जकड़ लेता है। इसका सीधा संबंध कैंसर, हृदय रोग और एचआईवी/एड्स जैसी बड़ी जानलेवा बीमारियों से भी है। यह पीड़ा सिर्फ॰नशेड़ी तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि नशेड़ी के परिवार और समुदाय को भी कई रूपों में प्रभावित करती है। जैसे कि आय का नुकसान, बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, नशे में गाड़ी चलाना और अपराध आदि। महिलाओं ने संदेश दिया कि ड्रग समाधान नहीं बल्कि अपने आप में एक समस्या है। साध्वी सुश्री गोपिका भारती जी ने इस रैली का आगाज किया। यह रैली दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के आश्रम सेक्टर 7 मुक्ता प्रसाद नगर बीकानेर से आरंभ हुई और विभिन्न मार्गों से होते हुए पंचवटी पार्क में समाप्त हुई। इस रैली में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के कार्यकर्ता अधिक संख्या में पहुंचे।

महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को जेल भेजा

अनूपगढ़, (कासं)। एक महिला के साथ छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान चक 23 ए, अनूपगढ़ निवासी 42 वर्षीय वेदप्रकाश पुत्र रामाराम उर्फ रामाछोटा के रूप में हुई है। थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ के अनुसार, पीड़िता ने 25 जनवरी 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने उसका रास्ता रोककर छेड़छाड़ की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआई कालूराम को सौंपी। सोमवार को एएसआई कालूराम ने कांस्टेबल सतनाम सिंह और नायब सिंह के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

धर्मगुरूओं ने संभाली बाल विवाह रोकथाम की कमान

- बाल विवाह रोकने के लिए धर्मगुरूओं से सहयोग व समर्थन मिला

बीकानेर, (कासं)। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यरत संगठन राजस्थान महिला कल्याण मण्डल बीकानेर ने बाल विवाहों की रोकथाम के लिए धर्मगुरूओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया।

पत्रकारों को जानकारी देते हुए संगठन के निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने कहा कि धर्मगुरूओं से मिला सहयोग व समर्थन अभिभूत करने वाला इस अक्षय तृतीया पर जिले में नहीं होगा। एक भी बाल विवाह बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन (जेआरसी) के अजमेर जिले में सहयोगी संगठन राजस्थान महिला कल्याण मण्डल की ओर से अक्षय तृतीया और शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए बाल विवाहों की रोकथाम के लिए विभिन्न धर्मों के विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों के बीच चलाये जा रहे जागरूकता अभियान को व्यापक सफलता मिली है। सभी धर्मगुरूओं ने इसकी सराहना करते हुए समर्थन का हाथ बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित, मौलवी या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता। इसलिए हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया। प्रेस वार्ता में पं भवानी शंकर, मौलवी जावेद आलम, अब्दुल रहमान, पिंकी जनागल सहित अनेक जने मौजूद रहे। जिन्होंने बताया कि इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं। इस अक्षय तृतीया पर जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने पायेगा।

जिले के मंदिरों-मस्जिदों के आगे ऐसे बोर्ड लगाए जा रहे जिन पर स्पष्ट लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से 'चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' कैम्पेन चला रहा है। जेआरसी कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर रहे 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का नेटवर्क है जिसने पिछले वर्षों में दो लाख से ज्यादा बाल विवाह रूकवाए हैं और पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। इसके सहयोगी संगठन के रूप में राजस्थान महिला कल्याण मण्डल ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझा कर अकेले 2023-24 में ही बीकानेरजिले में 350 बाल विवाह रुकवाए हैं।

शिविर लगा घायल पक्षियों की जान बचाई

बीकानेर, (कासं)। अक्षय तृतीया पर पतंगबाजी की परंपरा के कारण, मांझे से घायल होने वाले पक्षियों की संख्या में वृद्धि होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए वेटरनरी विश्वविद्यालय के क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स में एक विशेष शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है ताकि घायल पक्षियों की जान बचाई जा सके। निदेशक क्लीनिक्स प्रो. प्रवीण बिश्नोई ने जानकारी दी कि शिविर में सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक पशु शल्य चिकित्सकों की एक विशेष टीम केवल घायल पक्षियों के उपचार के लिए तैनात रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि इस त्योहार के दौरान किसी भी पक्षी को अनावश्यक कष्ट न सहना पड़े। हमारी टीम पूरी तरह तैयार है और हम लोगों से अपील करते हैं कि वे घायल पक्षियों को हमारे पास लाए ताकि मुक पक्षियों की जान बर्चा जा सके। और आमजन इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। शिविर में पक्षियों के लिए विशेष शल्य चिकित्सा उपकरण और दवाईयां उपलब्ध होंगी।

पाकिस्तान के विरोध में सर्वसमाज का प्रदर्शन

- पहलगाम आतंकी हमले की प्रदर्शनकारियों ने कड़ी निंदा की

घड़साना, (कासं)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ घड़साना में सर्वसमाज का गुस्सा फूट पड़ा। सर्व समाज के सैकड़ों लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने आतंकी घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग की। नागरिकों का जनसैलाब उपखंड अधिकारी कार्यालय (एसडीएम ऑफिस) तक पहुंचा जहां सर्वसमाज के प्रतिनिधियों ने एसडीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने और पाकिस्तान को करारा जवाब देने की मांग की गई।इस दौरान सर्वसमाज के नेताओं ने कहा कि अब देश को आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आतंकवाद पर लगाम नहीं कसी गई तो देशभर में सर्वसमाज उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगा। वक्ताओं ने कहा कि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिन्द जैसे नारे भी गूंजते रहे। क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पूरे जोश और देशभक्ति के जज्बे के साथ इस आंदोलन में भाग लिया। लोगों ने तिरंगे झंडे लहराते हुए आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ गुस्से का इजहार किया। पहलगाम हमले में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कैंडल मार्च निकालकर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया और दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस प्रदर्शन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा है।

नशीली गोलियों सहित एक गिरफ्तार

अनूपगढ़। थाना पुलिस ने नशीली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गश्त के दौरान पशु चिकित्सालय के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पूछताछ में उसने अपना नाम पवन कुमार बताया। वह चक 2 पी अनूपगढ़ का रहने वाला है। हैड कांस्टेबल रामनिवास ने संदिग्ध युवक की तलाशी ली। उसके पास से 170 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बरामद हुए। साथ ही बिक्री से प्राप्त 70 रुपए भी मिले।

न्यायालय तहसीलदार बज्जू

आम सूचना

क्रमांक-794 दिनांक-28/4/25

हर खास को सूचित किया जाता है कि श्री राम बाबू कुलश्रेष्ठ वल्द श्री असरफी लाल कौम कायस्थ निवासी जयपुर (मृत्यु दिनांक 14/10/2001) द्वारा कृषि भूमि चक 10 PSD की 38 बीघा है/बीघा की वसीयत दिनांक 18/1/2001 को निम्न के पक्ष में निष्पादित की गई। चक 10 PSD मुन 43/2, 43/3-38 बीघा कुलदीप कुलश्रेष्ठ पुत्र रामबाबू जाति कायस्थ जयपुर

प्रकरण ईन्तकाल दर्ज करने हेतु इस न्यायालय में विचाराधीन है। यदि किसी को उक्त वसीयत के आधार पर नामान्तरणकरण खोलने बाबत कोई एतराज हो तो इस नोटिस के प्रकाशन 15 दिवस में इस कार्यालय में अपना पट्टा प्रस्तुत कर देवे अन्यथा बाद गुजंने मियाद एक तरफा निर्णय की कार्यवाही अमल में ली जावेगी एवं कोई उजर मान्य नहीं होगा।

चक 10 PSD मुन 43/2, 43/3-38 रकबा 38 बीघा कुलदीप कुलश्रेष्ठ पुत्र रामबाबू जाति कायस्थ सी-17 सेठी कॉलोनी, जयपुर

तहसीलदार (भू-अभिलेख) बज्जू

मनरेगा श्रमिकों का मजदूर दिवस पर अवकाश

हनुमानगढ़, (कासं)। महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत कार्यरत श्रमिकों को 1 मई को मजदूर दिवस के अवसर पर अवकाश दिया जायेगा। इस दिन श्रमिकों से किसी भी प्रकार का कार्य नहीं कराया जायेगा।

जिला परिषद हनुमानगढ़ के अति. जिला कार्यक्रम समन्वयक (ईजीएस) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओ.पी. बिश्नोई ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत कार्यरत श्रमिकों की लम्बे समय से यह मांग रही है कि मजदूर दिवस के दिन उन्हें अवकाश दिया जाए।

इस पर निर्णय लेते हुए प्रत्येक वर्ष 1 मई को कार्य स्थगित रखने के आदेश जारी किए गए हैं। जिला परिषद ने समस्त संबंधित अधिकारियों एवं फील्ड टीम को निर्देशित किया है कि मजदूर दिवस के दिन किसी भी प्रकार के कार्यों पर श्रमिकों को नियोजित नहीं किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी श्रमिकों को इस आदेश की जानकारी समय पर प्रदान कर दी जाए।

आज होगी पतंगबाजी, घर में बनेगा खीचड़ा व इमलाणी

- आज शाम को सूर्यास्त होने तक पतंगबाजी का दौर चलेगा

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर आज 538 वां स्थापना दिवस मना रहा है। शहर में युवा और बच्चे सुबह सूर्योदय के साथ ही छत पर चढ़कर पतंगबाजी कर रहे हैं। महिलाएं आज खीचड़ा बनायेगी और साथ में गर्मी से बचने के लिए कोल्ड ड्रिंक के रूप में इमलाणी तैयार करेगी। आज अक्षय द्वितीया और कल अक्षय तृतीया यानी आखातीज के दो दिनों में ही बीकानेर में करोड़ों रूपए की पतंग और मांझे की बिक्री होने की उम्मीद की जा रही है।

चाइनीज मांझे से घायल होने वालों की सेवा के लिए समाजसेवियों की एक टीम पीबीएम अस्पताल में तैयार है। जोधपुर तत्कालीन महाराजा से नाराज होकर आये बीका ने 538 साल पहले इसी शहर में स्थित बीकाजी की टेकरी पर शहर को बसाने का निर्णय किया था। कभी जांगल प्रदेश के नाम से पहचाने गए बीकानेर ने आज देश के प्रमुख शहरों में अपना नाम स्थापित कर लिया है। भुजिया, रसगुल्लों से पहचान बनाने वाला बीकानेर असल में अपनी बीकानेरियत को बनाए रखने के लिए पहचाना जाता है।

परम्पराओं के निर्वाह में सबसे आगे रहने वाले बीकानेर में आज भी जाति और धर्म का भेद भुलाकर लोग एक जैसा खाना बनाते हैं। घरों में महिलाएं गेहूं और बाजरे का खीचड़ा बना रही है तो गर्मी से बचने के लिए इमली के पानी को विशेष रूप से तैयार करके इमलाणी तैयार करती है। सुबह छह बजे से ही लोग छतों पर चढ़ गए हैं।

आज शाम को सूर्यास्त होने तक पतंगबाजी का दौर चलेगा। आखाबीज से ज्यादा उत्साह कल यानी आखातीज को देखने को मिलेगा। वैसे तो पूरे शहर में ही पतंगबाजी हो रही है। सबसे ज्यादा असर पुराने शहर में देखने को मिल रहा है। सुबह आठ नौ बजे तक लोग छत पर डटे हुए थे।

शाम होते ही फिर ऐसा ही नजारा दिखाई देगा। आखातीज को जमकर पतंगबाजी होगी। आखातीज को तो लोग छत पर छांव का प्रबंध करके भी पतंगबाजी करते हैं। दिनभर में एक मिनट भी ऐसा नहीं होगा, जब छत पर कोई न कोई पतंग ठुमके लगाती नजर न आए। आज ही के दिन घर-घर नई मटकी की स्थापना की जाती है। गर्मी में शुद्ध और ठंडे पानी की उम्मीद के साथ मटकी की पूजा भी की जाती है। नई मटकी के साथ ही घर के सदस्यों के जितनी छोटी-छोटी मटकियां भी रखी जाती है। कामना की जाती है कि कभी पानी की कमी नहीं रहेगी।

नगर स्थापना दिवस पर अलग-अलग क्षेत्र की 20 विभूतियों को किया सम्मानित

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर नगर स्थापना दिवस का मुख्य समारोह अक्षय द्वितीया मंगलवार को राव बीकाजी प्रतिमा स्थल जूनागढ़ पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संबंध में राव बीकाजी संस्थान के अध्यक्ष डॉ गिरिजा शंकर शर्मा ने बताया कि राव बीकाजी की प्रतिमा का विधिवत पूजन वेदपाठी ब्राहह्मा और राजगुरू द्वारा पूरे विधि विधान से किया गया। इसके उपरांत महाराजा राय सिंह ट्रस्ट के शाही बैण्ड की ध्वनि के साथ मुख्य समारोह का आयोजन किया गया जिसमें अलग-अलग क्षेत्र की विभूतियों को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के संबंध में राव बीकाजी संस्थान के महामंत्री विद्यासागर आचार्य ने बताया कि इस वर्ष जिन विभूतियों को सम्मानित किया गया उनका कार्य क्षेत्र सराहनीय रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास थे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत महानिरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका तथा लोक गायक पद्मश्री अली गनी बंधु थे।

मुख्य समारोह के प्रभारी नरेन्द्र सिंह स्याणी ने बताया कि इस वर्ष शिक्षाविद डॉ अनिला पुरोहित, बीएसएफ के सेवानिवृत महानिरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, तबला वादक गुलाम हुसैन, संगीतज्ञ पंडित पुखराज शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मण राघव, उद्योगपति व समाज प्रेरक द्वारका प्रसाद पचीसिया, एथलीट देवेंद्र सिंह गहलोत, रंगकर्मी मंजू रांकावत, शोधकर्ता डॉ मुकेश हर्ष, शिक्षाविद व साहित्यकार जानकी नारायण श्रीमाली, रंगकर्मी विजय सिंह राठौड़, समाजसेवी पुरुषोत्तम दावड़ा, पर्यावरणविद चरण दास सागर को प्रतिष्ठित अवार्ड प्रदान किए गए। विधिवेत्ता सुरेश कुमार भाटिया, साहित्यकार शशांक शेखर जोशी, ऋग्वैदीय राका वेद पाठशाला, संस्कृतिकर्मी राहुल शंकर थानवी को प्रतिष्ठित अवार्ड प्रदान किए गए । इस अवसर पर अलग-अलग क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले छियालीस व्यक्तियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। अपने उद्बोधन में राव बीकाजी संस्थान के अध्यक्ष डॉ गिरिजा शंकर शर्मा ने बीकानेर नगर वासियों को बधाई देते हुए बीकानेर के विकास के साथ-साथ बीकानेरी संस्कृति को भी जिंदा रखने का आ ान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए बीकानेर पश्चिम के विधायक श्री जेठानंद व्यास ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि बीकानेर की विभूतियों का सम्मान किया जाना इस नगर की स्वस्थ परंपरा रही है। आज पूरा बीकानेर उल्लास और उमंग के माहौल में खुशियां मना रहा है। उन्होंने बीकानेर शहर को महानगर की तर्ज़ पर विकसित करने के लिए अपने प्रयासों की जानकारी दी तथा यह आ ान किया कि बीकानेर के लिए प्रतिवर्ष स्थापना दिवस पर कोई नया कार्य आरंभ किया जाना चाहिए अथवा उसकी घोषणा होनी चाहिए। श्री व्यास ने राव बीकाजी संस्थान के कार्यों की प्रशंसा करते हुए यह विश्वास जताया कि यह संस्थान प्रतिवर्ष अपने भरोसे पर खरा उतरता रहेगा।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.05.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

गंगानगर, रायसिंह नगर, 135100700037936,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने सभी राज्य नामित प्राधिकारियों, जहाज मालिकों और चालक दल को जलयान और नाविक पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करने के लिए आमंत्रित किया

अंतर्देशीय जहाजों के पंजीकरण, सर्वेक्षण एवं प्रमाणन तथा चालक दल के प्रमाणन के लिए आवश्यक सभी चीजें - अब ऑनलाइन

जलयान और नाविक की विशेषताएं

उपयोगकर्ता पंजीकरण | जहाजों का पंजीकरण | जहाजों का सर्वेक्षण एवं प्रमाणीकरण
क्रू प्रशिक्षण एवं प्रमाणन | प्रशिक्षण संस्थानों को मंजूरी | सीओसी सत्यापन
आपदा एवं शिकायत प्रबंधन | स्वागत सुविधाएं और इसकी जानकारी

भविष्य के लिए तैयार रहें • डिजिटल इंडिया • जुड़े रहें

सभी समुद्री हितधारकों से अनुरोध है कि वे केंद्रीय डेटाबेस पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कराएं
अंतर्देशीय पोत अधिनियम
2021 और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत "जलयान और नाविक"

के लिए कार्रवाई का आह्वान

- समुद्री बोर्ड और IWT विभाग
- जहाज मालिक और ऑपरेटर / जहाज निर्माता
- चालक दल के सदस्यों
- प्रशिक्षण संस्थान

यह कदम क्यों उठाएं?

एक राष्ट्र, एक सिस्टम
एकल, केंद्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म के अंतर्गत एकीकृत पंजीकरण, प्रमाणन, निरीक्षण और अनुपालन।

व्यापार करने में आसानी, पारदर्शिता और दक्षता
- सुव्यवस्थित प्रमाणन एवं लाइसेंसिंग प्रक्रिया
- तेज़ अनुमोदन, नवीनीकरण और निरीक्षण

जहाज के रिकॉर्ड, चालक दल के प्रमाणपत्र, फिटनेस जांच और लाइसेंसिंग जानकारी तक वास्तविक समय पर पहुंच।

बढ़ी हुई सुरक्षा एवं जवाबदेही
जहाजों और चालक दल के लिए सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड। जहाज के इतिहास, प्रशिक्षण क्रेडेंशियल और घटना लॉग को सहजता से ट्रैक करें।

पर्यावरण एवं विनियामक अनुपालन
सुरक्षित और हरित नौवहन के लिए अंतर्देशीय पोत अधिनियम, 2021 के तहत नवीनतम मानकों के अनुरूप कार्य करना।

सीबीसी 37211/15/0002/2526

पर जाएँ: https://navic.iwai.gov.in | संपर्क करें: vpandey@iwai.gov.in, sanjayvarma@iwai.gov.in
जारीकर्ता: भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन